श्रीगुरुचरणकमलेभ्यो नमः

मई -२०२६ - अमेरिका यात्रा

१४-०५-२०२६ से २८-०५-२०२६

२३-०५-२०२६ एवं २४-०५-२०२६ को साधना शिविर संपन्न हुआ। २४-०५-२०२६ को तीन साधनाएं करवाई गयी। प्रातः मेधा सरस्वती साधना, दो प्रहर मे दुर्गा साधना एवं सयंकाल में लक्ष्मी साधना (अखंण्ड अटूट ऐश्वर्य महालक्ष्मी साधना), जिसे लक्ष्मी नारायण साधना भी कहते हैं, संपन्न कराई गई।

१) मेधा सरस्वती साधना :-

यह साधना केवल बच्चो के लिये ही नही, अपितु नेता, व्यवासाई, व्यवासाय के मालिक, लिडर, नेतृत्व करने के योग्य लोग आदि के लिये श्रेष्ठ है। मेधा शक्ती में वृद्धि हेतु यह साधना श्रेष्ठ मानी गई है। लेखन कार्य, पत्रकार, कवी आदि भी यह साधना अपना कर लाभान्वीत हो सकते है।

विधान: साधक या साधिकायें प्रातः काल (सुबह (८) से पहले) स्नान आदि से निवृत होकर सफेद (श्रेष्ठ), या पीले वस्त्र धारण कर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर बैठे और सामने गुरु चित्र और सरस्वती यंत्र लगाकर पंचोपचार पूजन करे , निम्न साधन प्रारंभ करे | यह साधना विशेष मुहूर्त पर आरंभ करें, शुक्रवार या श्रेष्ठ मुहूर्त पर, जैसे वसन्त पंचमी, गुरु-पुष्य योग आदि।

सामग्री : सरस्वती यंत्र, स्फटिक माला

मंत्र : || ऐं ||

ध्यान : श्वेतपद्मासना देवीं स्तोत्र

जप संख्या: २१ माला

यह साधना एक दिवसीय या ५ अथवा को ११ या २१ दिनो तक नित्य कर सकते। साधक आवश्यकता अनुसार कोई भी विधान अपना सकते है। विद्यर्थि गण परिक्षा से २१ दिन पहले यह साधना संपन्न कर ले तो उचित होगा। जिस शिषु को ठीक तरह से बोलना नही आ रहा हो, उसके नाम का संकल्प करे, उसके माता / पिता यह साधना संपन्न कर सकते है।

२) दुर्गा साधना :-

यह साधना रक्षा प्राप्ती, रोग नाश, बाधा निवारण, दुर्गा देवि की कृपा प्राप्ती, धैर्य वृद्धी आदि के लिये एवं संकट नाश, आटंक नाश हेतु किया जा सकता है।

विधान: साधक या साधिकायें कोई भी समय या अर्ध-रात्री स्नान आदि से निवृत होकर लाल (श्रेष्ठ), या पीले वस्त्र धारण कर पूर्व या उत्तर दिशा की ओर बैठे और सामने गुरु चित्र और दुर्गा यंत्र लगाकर पंचोपचार पूजन कर, निम्न साधन प्रारंभ करे | यह साधना मंगलवार, शुक्रवार, नवरात्रि आदि में प्रारंभ कर सकते है |

सामग्री - दुर्गा यंत्र, मुंगा माला

मंत्र : || ॐ ह्रीं दुं दुर्गायै नमः ||

ध्यान : आर्या दुर्गा स्तोत्र

जप संख्या: ११ माला

यह साधना एक, तीन अथवा पांच दिवस, आवश्यकता अनुसार, की जा सकती है। नवरात्रियो में सारे दिन यह प्रयोग अपनाया जा सकता है!

३) लक्ष्मी साधना / लक्ष्मी नारायण साधना / अखण्ड अटूट ऐश्वर्य महालक्ष्मी साधना :-

सामग्री : अटूट ऐंश्वर्य महालक्ष्मी यंत्र एवं मरगज माला (या कमल बिज माला)

समय: सायं संद्या समय श्रेष्ठ या महेन्द्र काल

वार: शुक्रवार से ५ दिन नित्य या अमावास्या या दिवालि को आरंभ करे

वस्त्र: पिले या गुलाबि वस्त्र

दिशा: उत्तर या पश्चिम दिशा

मंत्र : || ॐ श्रीं महालक्ष्म्यै नमः ||

जप संख्या: नित्य १६ माला जप करे

यह साधना कोई जाति का, स्त्रि या पुरुष कर सकते है। साधक शुद्ध हो कर, श्रेष्ठ वस्त्र धारण कर अपने पूजा स्थान को स्वच्छ करे और प्रथम अपने गुरु की पूजा करे। गुरु पूजन उपरांत गणपती एवं लक्ष्मीजी की यथा विधि पूजन कर, अपने संकल्प अनुसार, इच्छा व्यक्त करे और साधना आरंभ करे।

इस साधना से साधक पूर्ण लक्ष्मी कृपा प्राप्त करता हुआ अपने संकल्प की प्राप्ति कर लेता है। यह साधना विधान, साधक चाहे तो अपने इच्छानुसार हर ३ माह या ४ माह को पुनः दोहरा सकता है। ऐसा करने से घर में शांति बनी रहती है और धन संबन्धीत समस्यायें नही आती, आती भी है तो थोडे ही समय उसका समाधान भी प्राप्त हो जाता है।

****